श्री सभापतिः छोड़िए.....छोड़िए। ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणिः पश्चिमी बंगाल में भी कई बार ऐसा हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जीः अगर आप मज़दूरों की बात करते हैं तो सरकार की बात मत कीजिए। सरकार में मत जाइए। 2002 में मज़दूरों पर लाठी चली थी, सरकार की बात मत कीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः माननीय सदस्य आपने लिखकर दिया है -नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ साइंस को हटाया जा रहा है, उस संबंध में बोलिए।

Need for establishing National Institute of Science in Bhubaneswar

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): महोदय, एन॰डी॰ए॰ सरकार के समय हमारे जो माननीय एच॰आर॰डी॰ मिनिस्टर थे - डा॰ मुरली मनोहर जोशी, उनके उद्यम से, उनके प्रयास से नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ साइंस - एन॰आई॰एस॰ - भुवनेश्वर में बनाने की घोषणा की गई थी और काम आगे बढ़ा भी था, लेकिन दुर्भाग्य से पंद्रह महीने हो गए हैं, जो सरकार केंद्र में है, वह पार्टी की दृष्टि से उड़ीसा राज्य के प्रति अन्याय कर रही है। जो यू॰पी॰ए॰ की सरकार है, उसने उड़ीसा से एक भी मंत्री नहीं लिया है, दुर्भाग्य से उड़ीसा राज्य से केद्र सरकार में एक मंत्री भी नहीं है। यह सरकार भुवनेश्वर से एन॰आई॰एस॰ को हटाने का जो प्रयास कर रही है, उसको बंद करे। महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप सरकार को आदेश दें कि इस प्रकार का कोई गलत काम न हो, धन्यवाद।

श्री धर्मपाल सभ्रवाल (पंजाब): आप इधर आ जाइए, आपको मंत्री बना देंगे।

श्री रुद्रनारायण पाणिः नहीं, नहीं, हम ऐसा नहीं करते हैं। ...(व्यवधान)... हम ऐसा नहीं करते हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): सर, आपकी मौजूदगी में दलबदल की ऑफर भरे सदन में हो रही है कि आप इधर आ जाइए, हम आपको मंत्री बना देंगे। This is what he had said.

श्री सभापतिः एक बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराजः भरे सदन में दलबदल की ऑफर हो रही है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः एक मिनट ...(व्यवधान)... कोई गारंटी देने वाला है क्या ? ...(व्यवधान)... कोई गारंटी देने वाले हैं?

कुछ माननीय सदस्य: कोई गारंटी नहीं है।

श्री सभापति: तो फिर? श्री राशिद, अल्वी, बोलिए।...**(व्यवधान)**... दो मिनट में बोलिएगा।

श्री राशिद अल्वी (आंन्ध्र प्रदेश): सर, मैं दो मिनट में बात खत्म कर दूंगा। सर, यह बहुत अहम मामला है।...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): सर, वह रिकॉर्ड में नहीं जाना चाहिए।

श्री सभापति: छोड़िए, रिकार्ड मे ऐसी चीज़े आती रहती हैं, क्या फर्क पड़ता है? अल्वी जी, बोलिए। ...**(व्यवधान)**...आप बोलने दीजिए इनको।

Need to restore sanctity to the park built in the memory of freedom fighters of the 1942 freedom movement at the Mohammadabad Tehsil in Gazipur District of Uttar Pradesh

श्री राशिद अल्वी (आंन्ध्र प्रदेश): सर, यह एक बहुत अहम मामला है, जो मैं पार्लियामेंट और सरकार की नॉलेज में लाना चाहता हूं। 1942 में जब फ्रीडम मूवमेंट चल रहा था तो उत्तर प्रदेश में गाज़ीपुर में एक तहसील है - मोहम्मदाबाद। वहां पर एक पार्क में लोग इकट्ठा हुए और तिरंगा झंडा फहराना चाहते थे। एक के बाद एक, आठ लोगों को ब्रिटिश सरकार ने गोली से मार दिया।

उसकी चर्चा इंग्लैंड तक हुई और वहां पर उनकी मैमोरी में एक पार्क बनाया गया। सर, 18 अगस्त से लेकर 24 अगस्त तक बलिया और गाजीपुर को, उन नौजवानों ने आजाद करा दिया और झंडा फहरा दिया, अपना डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट एप्वाइंट कर दिया। सीता राम राव जी कांग्रेस के इम्पोर्टेंट लीडर थे, उनको वहां का कलैक्टर बना दिया गया। उनकी याद में, उनकी मैमोरी में एक पार्क बनाया गया, जहां पर उन शहीदों की मूर्तियां भी लगाई गईं। लेकिन बदकिस्मती की बात है कि आज वहां पर नाच-गाने और कैबरे डांस हो रहे हैं। इससे ज्यादा बेइज्जती शहीदों की नहीं हो सकती है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है, आपने कह दिया है। आपका धन्यवाद।

श्री राशिद अल्वी: मैं सरकार से कहूंगा कि वह उत्तर प्रदेश सरकार से कहे। रामपुर के अंदर एक वाकया हो चुका है, गांधी समाधि की बेइज्जती की गई।...**(व्यवधान)**... यह दूसरा वाकया है।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है, अब आपने कह दिया है, यह बहुत बड़ी बात है।...**(व्यवधान)**...

श्री राशिद अल्वी: सरकार प्रदेश सरकार को ...**(व्यवधान)**... करे और उसको ठीक करे।... **(व्यवधान)**...